उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत

इन्दिरा

(हिन्दी का सर्वप्रथम

मनोवैज्ञानिक उपन्यास)

और वह हार गई

(हिन्दी की सर्वप्रथम

पुरस्कृत पाकेट-बुक)

सीमा के पार

(लघु-उपन्यास)

तथा

हाथी के दांत

(लघु-उपन्यास)

के बाद

हिन्दी-लघुकथा के जनक

आचार्य जगदीश चन्द्र मिश्र

का

पाँचवा

लघु-उपन्यास

दुर्बल के पाँव